लक्ष्मणझूला पुल पर आवाजाही पर लगाई रोक

लक्ष्मणझूला पुल।

संवाददाता देहरादून। प्रदेश सरकार ने ऋषिकेश के लक्ष्मणझूला पुल पर आवाजाही पर रोक लगा दी है। पीडब्ल्यूडी की सर्वे रिपोर्ट में पुल की मियाद खत्म होने के खुलासे को लेकर सरकार ने यह कदम उठाया है। अपर मुख्य सचिव ओम प्रकाश ने पुल पर आवाजाही पर रोक लगाने के निर्देश तत्काल जारी कर दिए हैं। हालांकि, पीडब्ल्यूडी ने अपने सर्वे में आवाजाही के लिहाज से रामझूला पुल को सुरक्षित पाया है। इस पर आवाजाही की जा सकती है। बता दें कि इस पुल को बने हुए 33 साल हो चुके हैं। यह मामला इसलिए और अहम था, क्योंकि एक सप्ताह बाद ही कांवड़ यात्रा शुरू होने वाली है। शासन ने कांवड़ियों के नीलकंठ जाने के लिए लक्ष्मणझूला के जरिये ही रूट तय किया है। लक्ष्मणझूला पुल का निर्माण 1929 में हुआ था, जिसे आवाजाही के लिए 1930 में खोला गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, 89 साल पहले के डिजाइन और क्षमता के हिसाब से पुल आज इस स्थिति में नहीं है कि इस पर अब बड़ी संख्या में लोग आवाजाही कर सकें। पुराने समय में झूला पुलों का निर्माण करते हुए पुल की क्षमता का ध्यान नहीं रखा जाता था, जबकि वर्तमान में 500 किलोग्राम प्रति स्क्वायर मीटर की क्षमता के झूला पुल बनाए जाते हैं।

सतत विकास के लिए तैयार होगा हिमालयन ड्राफ्ट

कान्क्लेव

मसूरी में 28 जुलाई को होगा हिमालयन कान्क्लेव

संवाददाता

देहरादून। हिमालयी संस्कृति, आर्थिकी व पर्यावरण के संरक्षण के लिए सभी हिमालयी राज्य एक मंच पर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत की पहल पर हो रहे हिमालयन कान्क्लेव में भारत के सभी हिमालयी राज्यों के मुख्यमंत्री, अधिकारी, विशेषज्ञ व हिमालय के संरक्षण पर मंथन करेंगे। नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने भी इसमें शामिल होने पर अपनी सहमति दी है। शासन द्वारा 28 तारीख को मसूरी में प्रस्तावित हिमालयन कान्क्लेव की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने बाताया कि ''हिमालयन कान्क्लेव में हिमालयी राज्यों की समस्याओं व उनके समाधान के लिए गहनता से मंथन किया जाएगा। यह मंथन भविष्य में हिमालयी राज्यों को वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने में मददगार साबित होगा। इससे नीति आयोग व वित्त आयोग को हिमालयी राज्यों की वास्तविक स्थिति को जानने में आसानी रहेगी।''

सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत।

उत्तराखण्ड में पहली बार हिमालयी सरोकार से जुड़े कान्क्लेव का आयोजन हो रहा है जिसमें तमाम हिमालयी राज्यों के

हिमालयन कान्क्लेव में हिमालयी राज्यों के मुख्यमंत्री, प्रशासक, अधिकारी व विशषज्ञ करेंगे वैचारिक मंथन

मुख्यमंत्रियों, प्रशासकों, अधिकारियों व विशषज्ञों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। इसमें मुख्यतः उत्तराखण्ड, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, आसाम, अरूणाचल प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, त्रिपुरा, मिजोरम व मणिपुर राज्यों के मुख्यमंत्री व प्रतिनिधि अपने विचार रखेंगे। व्यापक विचार विमर्श के बाद एक हिमालयन ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा जो कि नीति आयोग को प्रेषित किया जाएगा। बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग के कारण भारतीय संस्कृति व सभ्यता के मूल स्त्रोत हिमालय व यहां की जीवनदायिनी नदियों पर संकट मंडरा रहा है। हिमालयी इकोलॉजी की रक्षा के साथ कैसे विकास का लाभ यहां के लोगों तक पहुंचाया जा सकता है, कान्क्लेव का मुख्य एजेंडा रहेगा। हिमालय के संसाधनों का उपयोग कैसे यहां की अर्थव्यवस्था को उन्नत करने में किया जा सकता है ताकि यहां के युवा को रोजगार के लिए पलायन न करना पड़े। हिमालय भारतीय सभ्यता का केंद्र बिंदु तो है ही, इसका सामरिक महत्व भी काफी ज्यादा है। सभी हिमालयी राज्यों की सीमाएं दूसरे देशों से जुड़ी हुई हैं। इस दृष्टि से भी कान्क्लेव में चर्चा की जा सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जलशक्ति मंत्रालय बनाकर जल संरक्षण व जल संवर्धन की बड़ी पहल की है। ग्लेशियरों, नदियों, झीलों, तालाबों व वनों को ग्लोबल वार्मिंग से बचाना भी कान्क्लेव का प्रमुख एजेंडा रहेगा। एक ओर जहां हिमालय का संरक्षण जरूरी है वहीं यहां के दूरदराज के गांवों में आधारभूत सुविधाओं का विकास कर स्थानीय लोगों के लिए आजीविका उपलब्ध करवाना भी आवश्यक है।

सीएम हेल्पलाइन में होगी लापरवाह अधिकारियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही

संवाददाता

शिकायत मिलने के एक सप्ताह में कुछ न करने पर होगी कार्यवाही

नैनीताल। बीडी पाण्डे चिकित्सालय में गुरूवार को जिलाधिकारी सविन बंसल ने 11 से 24 जुलाई तक आयोजित होने वाले जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़े का दीप जलाकर शुभारंभ किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि जनसंख्या वृद्धि मतलब, एक ऐसी स्थिति उत्पन्न होना जिसमें लोगों की संख्या ना चाहते हुए भी इतनी ज्यादा हो जाए कि खाने–रहने के लिए स्रोतों की कमी पड़ने लगे, इस स्थिति में देश की सामाजिक और आर्थिक स्थिति बिगड़ जाती है।

बंसल ने कहा कि अधिक आबादी का मतलब, प्राकृतिक संसाधनों की अधिकतम दोहन करना है, ज्यादा जनसंख्या होगी तो उनके खाने–पीने से लेकर रहने और पहनने तक के लिए ज्यादा चीजों की जरूरत पड़ेगी। सभी चीजों को उपलब्ध कराने के लिए लोग तरह–तरह के उपाय करेंगे और वही पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधनों के दोहन पर दबाव बढ़ता रहेगा। अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि के कारण बेरोजगारी, पलायन, गरीबी बढ़ती है तथा देश के विकास में बाधक बनती है।

बंसल ने कहा कि समृद्ध और खुशहाल देश के लिए यह जरूरी है कि देश के आम आदमी स्वस्थ रहें और उनकी जनसंख्या देश की आर्थिक स्थिति के अनुरूप हो, यह तभी संभव है जब देश के आम आदमी इस बात को समझें और परिवार नियोजन के उपाय अपनाकर जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में अपना योगदान दें। बंसल ने स्थायी परिवार नियोजन को प्रोत्साहित करने पर आशाओं कार्यकर्तियों को अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि देने की स्वीकृति दी।

जिलाधिकारी श्री बंसल ने जनसंख्या दिवस पर नर्सिंग के छात्र–छात्राओं द्वारा जनसख्या नियंत्रण विषय पर बनाई गई पेंटिंग की सराहना करते हुए कहा कि इन पेंटिंगों को फ्रेमिंग कर जिला कार्यालय में लगाई जायेगी। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.रश्मि पन्त ने कहा कि दो बच्चों के बीच तीन साल का अन्तर होना चाहिए।

बाइक की टक्कर से दसवीं की छात्रा की मौत

संवाददाता देहरादून। सहसपुर में मोटरसाइकिल सवार युवकों ने एक किशोरी को टक्टर मार दी। इस सड़क हादसे के बाद उपचार के दौरान अस्पताल में किशोरी की मौत हो गयी। पुलिस ने शव का पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना सहसपुर को सूचना मिली कि बैरागीवाला बस स्टैंड के पास मोटरसाइकिल सवार युवकों द्वारा एक युवती को टक्कर मार दी है, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई है। सूचना पर थाना सहसपुर से पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा, तब तक स्थानीय लोगों ने घायल युवती को उपचार हेतु नजदीकी अस्पताल ले जाया गया था, जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। मृतक युवती की पहचान पायल यादव पुत्री अमर सिंह निवासी जमनपुर तप्पड़, थाना सहसपुर, उम्र 15 वर्ष, के रूप में हुई। जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि मृतक बालिका बाबूगढ़ इंटर कॉलेज में 10वीं की छात्रा थी। शुक्रवार सवेरे बैरागीवाला बस स्टैंड के पास स्कूल जाने के लिए बस का इंतजार कर रही थी तभी हरबर्टपुर की तरफ से एक तेज गति से आती मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर युवती से टकरा गई।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

न्यूज डायरी

जीएसटी की चोरी की शिकायत उपकर आयुक्त से की

(संवाददाता) देहरादून। नैशनल एसोसिएशन फॉर पैरेंट्स एंड स्टूडेंट्स राइट्स के प्रतिनिधिमंडल ने रिंग रोड स्थित कर आयुक्त मुख्यालय मे उप कर आयुक्त पीयूष कुमार को निजी पुस्तक विक्रेताओं की मनमानी पॉलिसी और अभिभावकों को बिल न देंकर जीएसटी की चोरी करने के साथ ही आये दिन अभिभावकों से बदतमीजी करने की शिकायत को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। जिसमे इन निजी पुस्तक विक्रेताओं पर जीएसटी की सम्बन्धित धाराओं के अंतर्गत कार्यवाई हो सके शिकायत करता एसोसिएशन के सचिव धर्मेन्द्र कुमार ठाकुर पूर्व मे भी पुस्तक विक्रेताओं की शिकायत नेहरुकोलोनी स्थित जीएसटी कार्यालय मे कर चुके हैं किंतु उनके द्वारा की गई कार्यवाही से असंतुष्ट होने के कारण आज उप कर आयुक्त से ज्ञापन के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई है।

स्मैक के साथ शातिर तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता देहरादून। विकासनगर पुलिस ने अवैध स्मैक के साथ एक शातिर तस्कर को गिरफ़्तार किया है। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि आरोपी के खिलाफ सहसपुर थाने में नशा तस्करी के कई मामले दर्ज हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में अवैध नशे के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत कार्यवाही करते हुए कोतवाली विकासनगर पुलिस द्वारा चैकिंग के दौरान कैनाल रोड हरबर्टपुर क्षेत्र से एक आरोपी अकलीम निवासी ग्राम ढाकी, थाना सहसपुर को 4.33 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ़्तार किया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

बारिश से दून का मौसम सुहावना

संवाददाता देहरादून। देहरादून समेत अन्य इलाकों में रिमझिम फुहारों से मौसम सुहावना हो गया है। शुक्रवार को भी प्रदेश की राजधानी देहरादून में सुबह से बादल छाए रहे। कई स्थानों पर छुटपुट बारिश भी हुई। दून में अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमश 31.6 व 25.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। शाम को भी आसमान में बादलों की आमद बनी रही। मसूरी में भी मौसम के तेवर बिगड़े हुए हैं। ऋषिकेश, हरिद्वार, रुड़की, विकासनगर व आसपास के मैदानी इलाकों में भी बारिश की बौछार पड़ी। आने वाले एक–दो दिन भी बारिश होने के आसार बने हुए हैं। तेज बारिश के चलते नगर निगम की सारी व्यवस्थाएं धराशाही होते दिख रही है। प्रदेश की राजधानी देहरादून के कई इलाकों में जलभराव देखने को मिल रहा है।